

FOR EVALUATOR'S USE ONLY

Sub. Code : **23**

Optional Paper

Philosophy : Paper - I

Time : 3 Hours / Maximum Marks : 200 / Total Pages : 32

Evaluation Table												(For Evaluator's Use Only)	
PART-A				PART-B				PART-C				Grand Total	
QN	E-1	E-2	AC	QN	E-1	E-2	AC	QN	E-1	E-2	AC	PART-A	
1				21				33				PART-B	
2				22				34				PART-C	
3				23				35				Total	
4				24				36				(-) Marks	
5				25				37				Final Total	
6				26				38				Marks in Words	
7				27				39				Remarks of Evaluator/Chief Evaluator	
8				28									
9				29									
10				30									
11				31									
12				32									
13													
14													
15													
16													
17													
18												Remarks of Scrutiniser	
19													
20													
Total													
Evalu ator's Sign													

BLANK PAGE



Note : Attempt all the twenty questions. Each question carries 2 marks. Answer should not exceed 15 words.

नोट : समस्त २० प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये २ अंक निर्धारित है। उत्तर १५ शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

1 Explain the meaning of these terms : Polytheism, Henotheism and Monotheism.
बहुदेववाद, एकाधिदेववाद और एकेश्वरवाद के अर्थ बताएँ।

2 Name the parts of Vedas.
वेदों के भागों के नाम बतायें।

3 Distinguish between Parbrahma and Aparbrahma.
परब्रह्म और अपरब्रह्म के अन्तर को स्पष्ट करें।



4 Define Dravya (According to Jainism).

द्रव्य (जैनदर्शन) की परिभाषा दें।

5 Define passive resistance.

निष्क्रिय प्रतिरोध को परिभाषित करें।

6 Explain the meaning of Parināmavāda.

परिणामवाद के अर्थ की व्याख्या करें।



7 Describe momentriness.

क्षणिकवाद की विवेचना करें।

8 Explain SamvāyīKāraṇa.

समवायि कारण की व्याख्या करें।

9 Describe Ahamkāra and its kinds.

अहंकार और उसके प्रकारों की विवेचना करें।

23-I]

5

[Contd...



10 Distinguish between Vyāpti and Upādhi.

व्याप्ति एवं उपाधि में भेद बतायें।

11 Explain the meaning of Avidyā.

अविद्या के अर्थ की व्याख्या करें।

12 Define consciousness according to Chārvāka.

चार्वाक के अनुसार चेतना की परिभाषा दें।

13 Explain the meaning of Gunāstaka.

गुणाष्टक की व्याख्या करें।

14 Describe Samyak Samādhi.

सम्यक् समाधि की विवेचना करें।

15 Describe Chitta and its kinds.

चित्त और उसके प्रकारों का वर्णन करें।

23-I]

7

[Contd...

16 Explain the meaning of Anirvachanīya Khyāti.

अनिर्वचनीय ख्याति के अर्थ की व्याख्या करें।

17 Explain the Nature of Ramanuja's God.

रामानुज के ईश्वर के स्वरूप की व्याख्या करें।

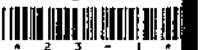
18 Define quality (Vaisesika).

गुण (वैशेषिकदर्शन) की परिभाषा दें।

23-I]

8

[Contd..



9 Describe Klesh and its kinds.

क्लेश और उसके प्रकारों की विवेचना करें।

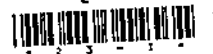
10 Define comparison.

उपमिति की परिभाषा दें।



27. State Rāmānuja's arguments to refute S'ankar's concept of Māyā..
शंकर के माया के प्रत्यय के खण्डन हेतु रामानुज द्वारा दिये गये तर्कों को प्रस्तुत करें।

28 Define 'dependent origination' and describe its twelve parts in order.
'प्रतीत्य समुत्पाद' की परिभाषा दें और इसके बारह अंगों की क्रम से विवेचना करें।



31 Explain the views of Nyāya and Mīmāṃsā on the issue of validity and invalidity of knowledge.

ज्ञान की प्रामाणिकता एवं अप्रामाणिकता पर न्याय और मीमांसा के मतों की व्याख्या करें।

32 Explain Nyāya views on perception and describe its various kinds (classification)

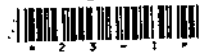
न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष के स्वरूप की व्याख्या करें तथा प्रत्यक्ष के विभिन्न प्रकारों (वर्गीकरणों) का वर्णन करें।



23-I]

17

[Contd...





1... 23-I]

21

[Contd...



37 Explain Kumarila and Prabhakar's views on knowledge and error.
कुमारिल और प्रभाकर के ज्ञान और त्रुटि सम्बन्धी विचारों की व्याख्या कीजिये।



23-I]

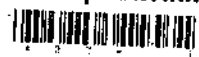
25

[Contd...



23-I]

[Contd...





SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए जगह



(iv)



SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए जगह

23-I]

32



FOR EVALUATOR'S USE ONLY

Sub. Code : **23**

Optional Paper

Philosophy : Paper - II

Time : 3 Hours / Maximum Marks : 200 / Total Pages : 32.

Evaluation Table												(For Evaluator's Use Only)	
PART-A				PART-B				PART-C				Grand Total	
QN	E-1	E-2	AC	QN	E-1	E-2	AC	QN	E-1	E-2	AC	PART-A	
1				21				33				PART-B	
2				22				34				PART-C	
3				23				35				Total	
4				24				36				(-) Marks	
5				25				37				Final Total	
6				26				38				Marks in Words	
7				27				39					
8				28									
9				29									
10				30									
11				31									
12				32									
13													
14													
15													
16													
17													
18												Remarks of Scrutiniser	
19													
20													
Total													
Evalu ator's Sign													

10 / 23-II

BLANK PAGE

23-II]

2

[Contd...



Note : Attempt all the twenty questions. Each question carries 2 marks. Answer should not exceed 15 words each.

नोट : समस्त २० प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये २ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर १५ शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

- 1 Why freedom of will is considered as one of the postulates of morality ?
संकल्प की स्वतंत्रता को नैतिकता की एक पूर्वमान्यता क्यों समझा जाता है ?

- 2 What is the principle of pre-established harmony ?
पूर्व-स्थापित सामंजस्य का सिद्धान्त क्या है ?

- 3 Explain the distinction between formal cause and final cause according to Aristotle.
अरस्तू के अनुसार स्वरूप कारण एवं लक्ष्य कारण के बीच भेद को समझाइये।



- 4 What is ontological proof for the existence of God according to Descartes ?
डेकार्ट के अनुसार ईश्वर के अस्तित्व के लिए सत्तामूलक प्रमाण क्या है ?

- 5 What is the meaning of 'Dharma' as one of the Purusharthas ?
एक पुरुषार्थ के रूप में 'धर्म' का अर्थ क्या है ?

- 6 What is the difference between knowledge and opinion according to Plato ?
प्लेटो के अनुसार ज्ञान एवं मत में क्या भेद है ?



7 How do we know other selves according to Berkeley ?
बर्कले के अनुसार हमें अन्य आत्माओं का ज्ञान कैसे होता है ?

8 Why Kant is considered to be an Agnostic philosopher ?
कांट को एक अज्ञेयवादी दार्शनिक क्यों, माना जाता है ?

9 How does Hume distinguish between impressions and ideas ?
संस्कारों एवं विचारों / विज्ञानों के बीच ह्यूम किस प्रकार अन्तर करते हैं ?



- 10 What does Leibniz mean by windowlessness of monads ?
चिदाणुओं की गवाक्षहीनता से लाइबनिज का क्या तात्पर्य है ?

- 11 Explain the distinction between "Natura - Naturans" and "Natura-Naturata" with regard to God according to Spinoza.

स्पिनोजा के अनुसार ईश्वर-कारण-प्रकृति (Natura - 'Naturans) एवं ईश्वर-कार्य-प्रकृति (Natura-Naturata) के बीच भेद को समझाइये।

- 12 "Ends justify means". Comment in the light of Gandhian ethics.

“साध्य साधन का औचित्य सिद्ध कर देते हैं।” गाँधी नीतिदर्शन के प्रकाश में टिप्पणी करिये।



13 What are space and time according to Kant ?
कांट के अनुसार दिक् एवं काल क्या हैं ?

14 How does Hume explain causation ?
ह्यूम कारणता को किस प्रकार समझाते हैं ?

15 Define "Nishkama Karma" according to Geeta.
गीता के अनुसार निष्काम-कर्म को परिभाषित कीजिये।



16 What are the basic characteristics of Satyagraha according to Gandhi ?
गाँधी के अनुसार सत्याग्रह की आधारभूत विशेषताएँ क्या हैं ?

17 What does Locke mean by "Tabula-Rasa" ?
“टेबुला-रसा” से लॉक का क्या तात्पर्य है ?

18 What is "good will" according to Kant ?
कांट के अनुसार 'शुभ-संकल्प' क्या है ?



19 State one basic similarity and one dissimilarity between philosophy and religion.
दर्शन एवं धर्म के बीच एक आधारभूत समानता एवं एक असमानता बताइये।

20 What is a sleeping monad according to Leibniz ?
लाइबनिज के अनुसार सुषुप्त चिदाणु क्या है ?



23 Explain the difference between Descarte's method of doubt and scepticism.
डेकार्ट की सन्देह विधि एवं सन्देहवाद के बीच के अन्तर को समझाइये।

24 Why does Aristotle characterize God as "unmoyed mover" ?
अरस्तू ईश्वर को 'अचल गतिदाता' के रूप में क्यों विशेषित करते हैं ?



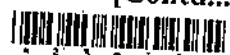
- 27 Explain the notion of 'Svadharna' according to Bhagavata-Geeta. Critically evaluate its relevance for our contemporary society.
भगवद्गीता के अनुसार 'स्व-धर्म' की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। हमारे समकालीन समाज के लिए इसकी प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

- 28 Critically examine the notion of 'hedonistic calculus'.
'सुखकलन' की अवधारणा की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिये।



- 31 "Kant's theory of categorical imperatives does not provide due significance to the emotional aspect of human personality". Comment.
"कांट का निरपेक्ष आदेश का सिद्धान्त मानवीय व्यक्तित्व के भावनात्मक पक्ष को समुचित महत्व नहीं देता है।" टिप्पणी कीजिये।

- 32 How far do you agree with the thesis that "No human being can act immorally, knowingly".
आप इस सिद्धान्त से कहाँ तक सहमत हैं कि "कोई मनुष्य जानते-बूझते हुए अनैतिक कार्य नहीं कर सकता है।"





23-II]

19

[Contd...





Only

ator

3-II]

23

[Contd...



10 / 23-II

se Only)

valuator



SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए जगह

23-II]

30

[Contd...

23-



SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए जगह

(Use Only)

valuator



SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिए जगह

23-II]

32

8124

